HIN-G-CC-2-2-TH(TU)

2. मध्यकालीनहिंदीकविता

S.B 1. कबीरदास

पद- संतौं भाई आई ग्यान की ऑधी रे; पानी बिच मेन पियासी, मन न रंगाए रंगाए जोगी कापरा, अरे इन दोहुन राह न पाई; एक अचंभा देखा रे भाईठाढ़ा सिंह चरावे गाई ,गगन घाटा घहरानी स्सधों गगन घटा घहरानी ।

S.B 2. सूरदास

पद-अबिगत गति कछु कहत न आवै; जौं लौं मन कामना न छूटै; जसोदा हरि पालनैं झुलावैं; किलकत कान्ह घुटुरुवनि आवत; खेलत मैं काकौ गुसैंयाँ; मैया हौं न चरैहों गाई; बूझत स्याम कौन तू गोरी; बिनु गुपाल बैरनि भइ कुंजैं; ऊधौ धनि तुम्हारौ व्यवहार;

R.Y 3. तुलसीदास

पद - ऐसी मूढता या मन की; जाऊँ कहाँ तजि चरन तुम्हारे; अबलौं नसानीअब न नसैहों ,; माधव मों समान जग माहीं; ऐसो को उदार जग माहीं; रघुपतिभगति करत कठिनाई-; कबहुँक हौं यह रहनि रहौंगो; जाके प्रिय न राम बैदेही।

R.Y 4. मीराबाई

पद- यहि विधि भगति कैसे होय; मैं तो साँवरे के रंग राँची; मैं तो गिरघर के घर जाऊँ; हेरी मैं तो दरद दिवाणीमेरो दरद न जाने कोय-; कोई कहियो रे प्रभु आवन की; किण संग खेलूँ होली; म्हारो जणमरानी-जणम को साथी थाने दिन बिसरूँ दिन-; पग घुँघरु बाँधी मीरा नाची रे।

R.Y 5. रसखान

पद-मानुस हौं तो वही रसखान,मोरपखा मुरली संभाल,फागुन लाग्यो सखि जब तें,कंचन मदिर ऊंचे बनाई के,सोहट है चंदवा सिर मोर को ,कान्ह भए बस बांसुरी के,

R.Y 6. बिहारी

पद-अजौं तरौना ही रह्यौ; अरुनचरन-कर-सरोरुह-; इन दुखिया अँखियान कौ; कर समेटिकच भुज - उलटि; करौ कुबत जगकुटिलता-; या अनुरागी चित्त की; जप मालाछापा तिलक ,नहिं पराग नहिं मधुर मधु; कहत नटत रीझतखिझत-;बतरस लालच लाल की; अनियारे दीरघ दृगनि;

Scanned by CamScanner

प्रस्तावित पाठ्य– ग्रंथ-

- कबीर ग्रंथावली - सं. श्यामसुंदर दस
- सूर संचयिता - सं. मैनेजर पाण्डेय
- विनय पत्रिका - गोरखपुर ,गीताप्रेस
- मीराबाई की सम्पूर्ण पदावली रामकिशोर शर्मा .डॉ (.-
- बिहारी प्रकाश - आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र .सं
- रहीम - सं . विद्यानिवास मिश्र

अनुमोदित ग्रंथ –

हिंदी काव्य में निर्गुण संप्रदाय- पीताम्बर दत्त बड़थ्वाल

भक्ति चिंतन की भूमिका - प्रेमशंकर

हिंदी की निर्गुण काव्यधारा और उसकी दार्शनिक पृष्ठभूमि गोविन्द त्रिगुणा .डॉ -यत

कबीर - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

कबीर की विचारधारा - गोविन्द त्रिगुणायत

कबीर एक अध्ययन - रामरतन भटनागर

कबीर साहित्य का अध्ययन - परशुराम चतुर्वेदी

कबीर -संबासुदेव सिंह .

भक्ति आंदोलन का अध्ययन -रतिभानु सिंह नाहर

तुलसी की साहित्य साधना -डॉलल्लन राय .

तुलसी -डॉउदय भानु सिंह .

तुलसीदास और उनके ग्रंथ - भगीरथ प्रसाद दीक्षित

गोस्वामी तुलसीदास - रामजी तिवारी

भक्ति आंदोलन और सूदास का काव्य -मैनेजर पाण्डेय

महाकवि सूरदास -नंद दुलारे वाजपेयी

सूरदास -संहर .वंश लाल शर्मा

सूरदास -ब्रजेश्वर वर्मा

मीरा का काव्य -डॉविश्वनाथ त्रिपाठी .

मीरा की काव्य कला - देशराज सिंह भाटी

मीराबाई भक्ति और उनकी काव्य साधना का अनुशीलन भगवानदास -तिवारी

बिहारी की वाग्विभूति - विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

बिहारी का नया मूल्यांकन - बच्चन सिंह

बिहारी सतसई का पुनर्पाठ -रामदेव शुक्ल

हिंदी काव्य में शृंगार परंपरा और महाकवि बिहारी - इन्द्रनाथ मदान

मुक्तक काव्य परंपरा और बिहारी -डॉरामसागर त्रिपाठी .

Scanned by CamScanner